



Mr.

26 Oct 1990

05:05 AM

Dehradun

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119777702

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
25-26/10/1990 : _____ जन्म तिथि _____ : **25-26/10/2025**
 गुरु-शुक्रवार : _____ दिन _____ : शनि-रविवार
 घंटे 05:05:00 : _____ जन्म समय _____ : 04:24:06 घंटे
 घटी 56:35:50 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 54:52:38 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Dehradun : _____ स्थान _____ : Dehradun
 उत्तर 30:19:00 : _____ अक्षांश _____ : 30:19:00 उत्तर
 पूर्व 78:03:00 : _____ रेखांश _____ : 78:03:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:17:48 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:17:48 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:26:40 : _____ सूर्योदय _____ : 06:27:02
 17:36:57 : _____ सूर्यास्त _____ : 17:36:28
 23:43:57 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:13:06
 कन्या : _____ लग्न _____ : कन्या
 बुध : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : बुध
 धनु : _____ राशि _____ : वृश्चिक
 गुरु : _____ राशि-स्वामी _____ : मंगल
 उत्तराषाढ़ा : _____ नक्षत्र _____ : ज्येष्ठा
 सूर्य : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : बुध
 1 : _____ चरण _____ : 4
 धृति : _____ योग _____ : शोभन
 वणिज : _____ करण _____ : बव
 भे-भैरव : _____ जन्म नामाक्षर _____ : यू-युक्ता
 वृश्चिक : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : वृश्चिक
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : विप्र
 मानव : _____ वश्य _____ : कीटक
 नकुल : _____ योनि _____ : मृग
 मनुष्य : _____ गण _____ : राक्षस
 अन्त्य : _____ नाड़ी _____ : आद्य
 मूषक : _____ वर्ग _____ : मृग
 35 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 36



FUTUREPOINT
Astro Solutions



जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
हस्त	4	20:03:57	कन्या			लग्न			कन्या	11:07:50	1	हस्त
स्वाति	1	08:33:57	तुला			सूर्य			तुला	08:33:57	1	स्वाति
उत्तराषाढ़ा	1	28:51:56	धनु			चंद्र			वृश्चि	26:50:06	4	ज्येष्ठा
रोहिणी	4	20:38:01	वृष	व		मंगल			तुला	28:57:33	3	विशाखा
स्वाति	2	11:04:03	तुला	अ		बुध			वृश्चि	01:57:36	4	विशाखा
आश्लेषा	1	17:55:25	कर्क			गुरु			कर्क	00:28:40	4	पुनर्वसु
स्वाति	1	06:52:11	तुला	अ		शुक्र			कन्या	20:47:48	4	हस्त
पूर्वाषाढ़ा	4	25:50:54	धनु			शनि	व		मीन	01:52:41	4	पूर्वाभाद्रपद
उत्तराषाढ़ा	4	08:50:12	मक	व		राहु	व		कुंभ	23:00:20	1	पूर्वाभाद्रपद
पुष्य	2	08:50:12	कर्क	व		केतु	व		सिंह	23:00:20	3	पूर्वाफाल्गुनी
मूल	4	12:34:51	धनु			मु			सिंह	20:03:57	3	पूर्वाफाल्गुनी

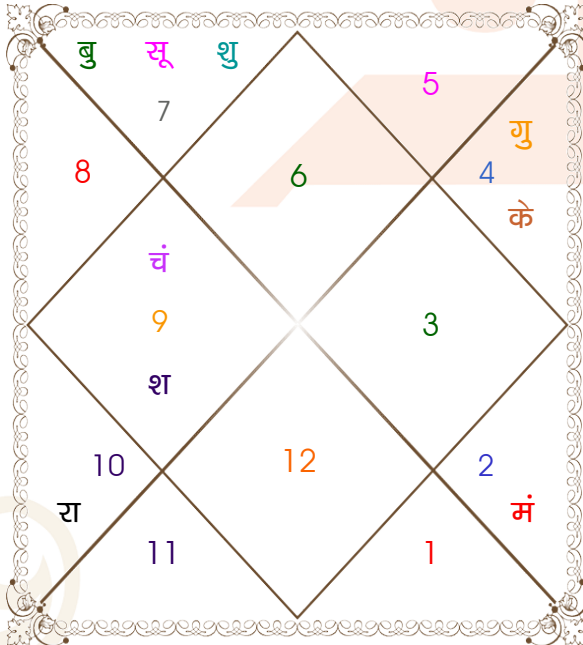
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

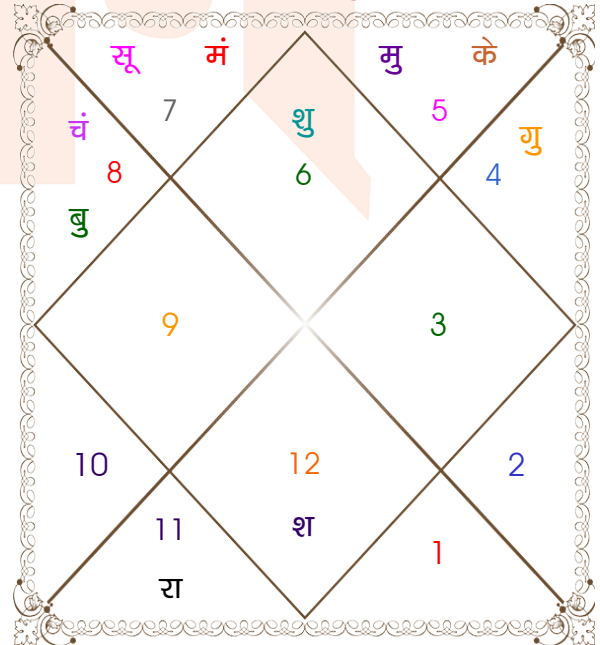
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:06

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - राहु 14/06/2025 20:23 26/11/2025 05:05	राहु - शुक्र - गुरु 26/11/2025 05:05 21/04/2026 07:29	राहु - शुक्र - शनि 21/04/2026 07:29 11/10/2026 19:20	राहु - शुक्र - बुध 11/10/2026 19:20 16/03/2027 00:53
राहु 09/07/2025 12:05 गुरु 31/07/2025 10:03 शनि 26/08/2025 10:38 बुध 18/09/2025 17:28 केतु 28/09/2025 07:34 शुक्र 25/10/2025 17:01 सूर्य 02/11/2025 22:15 चंद्र 16/11/2025 14:59 मंगल 26/11/2025 05:05	गुरु 15/12/2025 16:36 शनि 07/01/2026 19:47 बुध 28/01/2026 12:32 केतु 06/02/2026 01:04 शुक्र 02/03/2026 09:28 सूर्य 09/03/2026 16:47 चंद्र 21/03/2026 20:59 मंगल 30/03/2026 09:32 राहु 21/04/2026 07:29	शनि 18/05/2026 18:46 बुध 12/06/2026 08:38 केतु 22/06/2026 11:32 शुक्र 21/07/2026 09:30 सूर्य 30/07/2026 01:42 चंद्र 13/08/2026 12:41 मंगल 23/08/2026 15:35 राहु 18/09/2026 16:09 गुरु 11/10/2026 19:20	बुध 02/11/2026 19:07 केतु 11/11/2026 20:27 शुक्र 07/12/2026 17:22 सूर्य 15/12/2026 11:39 चंद्र 28/12/2026 10:07 मंगल 06/01/2027 11:26 राहु 29/01/2027 18:16 गुरु 19/02/2027 11:00 शनि 16/03/2027 00:53
राहु - शुक्र - केतु 16/03/2027 00:53 18/05/2027 22:56	राहु - सूर्य - सूर्य 18/05/2027 22:56 04/06/2027 09:24	राहु - सूर्य - चंद्र 04/06/2027 09:24 01/07/2027 18:51	राहु - सूर्य - मंगल 01/07/2027 18:51 20/07/2027 23:04
केतु 19/03/2027 18:22 शुक्र 30/03/2027 10:03 सूर्य 02/04/2027 14:45 चंद्र 07/04/2027 22:35 मंगल 11/04/2027 16:04 राहु 21/04/2027 06:11 गुरु 29/04/2027 18:43 शनि 09/05/2027 21:37 बुध 18/05/2027 22:56	सूर्य 19/05/2027 18:40 चंद्र 21/05/2027 03:32 मंगल 22/05/2027 02:33 राहु 24/05/2027 13:43 गुरु 26/05/2027 18:19 शनि 29/05/2027 08:46 बुध 31/05/2027 16:39 केतु 01/06/2027 15:40 शुक्र 04/06/2027 09:24	चंद्र 06/06/2027 16:12 मंगल 08/06/2027 06:33 राहु 12/06/2027 09:10 गुरु 16/06/2027 00:49 शनि 20/06/2027 08:55 बुध 24/06/2027 06:03 केतु 25/06/2027 20:25 शुक्र 30/06/2027 09:59 सूर्य 01/07/2027 18:51	मंगल 02/07/2027 21:42 राहु 05/07/2027 18:44 गुरु 08/07/2027 08:06 शनि 11/07/2027 08:58 बुध 14/07/2027 02:10 केतु 15/07/2027 05:00 शुक्र 18/07/2027 09:43 सूर्य 19/07/2027 08:43 चंद्र 20/07/2027 23:04
राहु - सूर्य - राहु 20/07/2027 23:04 08/09/2027 06:29	राहु - सूर्य - गुरु 08/09/2027 06:29 22/10/2027 02:24	राहु - सूर्य - शनि 22/10/2027 02:24 13/12/2027 03:33	राहु - सूर्य - बुध 13/12/2027 03:33 28/01/2028 17:13
राहु 28/07/2027 08:35 गुरु 03/08/2027 22:22 शनि 11/08/2027 17:45 बुध 18/08/2027 17:24 केतु 21/08/2027 14:26 शुक्र 29/08/2027 19:40 सूर्य 01/09/2027 06:50 चंद्र 05/09/2027 09:27 मंगल 08/09/2027 06:29	गुरु 14/09/2027 02:44 शनि 21/09/2027 01:17 बुध 27/09/2027 06:19 केतु 29/09/2027 19:41 शुक्र 07/10/2027 03:00 सूर्य 09/10/2027 07:35 चंद्र 12/10/2027 23:15 मंगल 15/10/2027 12:37 राहु 22/10/2027 02:24	शनि 30/10/2027 08:11 बुध 06/11/2027 17:09 केतु 09/11/2027 18:01 शुक्र 18/11/2027 10:12 सूर्य 21/11/2027 00:40 चंद्र 25/11/2027 08:46 मंगल 28/11/2027 09:38 राहु 06/12/2027 05:00 गुरु 13/12/2027 03:33	बुध 19/12/2027 17:54 केतु 22/12/2027 11:05 शुक्र 30/12/2027 05:22 सूर्य 01/01/2028 13:15 चंद्र 05/01/2028 10:23 मंगल 08/01/2028 03:35 राहु 15/01/2028 03:14 गुरु 21/01/2028 08:15 शनि 28/01/2028 17:13

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको शारीरिक कष्ट तथा परेशानियां प्राप्त होती रहेंगी फलतः शरीर में दुर्बलता रहेगी एवं स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी जिससे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अच्छी नहीं रहेगी तथा अशान्ति एवं व्याकुलता का भाव इसमें विद्यमान रहेगा। इस समय वाणी के दोष के कारण समाज में आपके अन्याय की संभावना रहेगी। साथ ही बुद्धि भी मध्यम रहेगी तथा किए हुए कार्यों से आपको विशेष लाभ नहीं होगा तथा इनमें किंचित समस्याएं उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों का अनुपालन भी अल्प मात्रा में ही करेंगे। इस समय संतति पक्ष से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा। साथ ही मित्र एवं संबंधियों से भी संबंधों में तनाव रहेगा तथा इनसे विशेष लाभ नहीं होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी एवं लाभ मार्ग भी अवरुद्ध रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में उन्नति में विलम्ब तथा समस्याएं रहेंगी। साथ ही उच्चाधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न रहेंगे जिससे उनका सहयोग भी अल्प ही रहेगा। आर्थिक स्थिति भी इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा आपको इससे परेशानी रहेगी। इस समय किसी झूठी गवाही को देकर आप अनावश्यक कष्ट की भी प्राप्ति करेंगे तथा समाज में मान प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी कष्ट एवं दुःख प्राप्त हो सकता है। अतः ऐसे समय को आप शान्ति एवं संयम पूर्वक व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

**_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शारीरिक कष्ट से आप समय समय पर परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मन में भी असन्तुष्टि तथा अप्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष आपका व्यय अधिक होगा तथा लाभ अल्प मात्रा में रहेगा। इस समय अन्यत्र भी धनहानि की संभावना रहेगी अतः आर्थिक स्थिति में विषमता रहेगी तथा यदा कदा समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। धर्म के प्रति आपके मन में इस समय विशेष आस्था नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृत्तियों के प्रति आपकी उपेक्षा बनी रहेगी। इस वर्ष में आप सद्मित्रों का साथ अल्प ही करेंगे तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपकी प्रीति बढ़ेगी। अपने स्वजनों तथा बन्धुवर्ग से भी आपके मन में विशेष स्नेह तथा सहयोग के भाव की अल्पता रहेगी जिससे इनसे भी आपको अल्प सहयोग एवं सुख प्राप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से भी वर्ष विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपके वरिष्ठ नेता तथा उच्चाधिकारी असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे जिससे पदोन्नति में बाधाएं उत्पन्न होंगी। व्यापार आदि में भी इस समय विशेष लाभ नहीं होगा अपितु हानि की ही संभावनाएं रहेंगी। अतः इस समय कोई नवीन कार्य प्रारंभ न करें तथा अपने सहयोगी या साझेदार से भी सावधान रहें। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबंधी हानि या परेशानी भी हो सकती है। अतः संयम एवं शान्तिपूर्वक समय को व्यतीत करें।